# भारत में जेल सुधार की आवश्यकता : कैदियों के मानवाधिकार के विशेष संदर्भ में

सत्र 2020-21

लघुशोध प्रबंध

मास्टर ऑफ लॉ (एल.एल.एम चतुर्थ सेमेस्टर) की

उपाधि हेतु प्रस्तुत


शोध निदेशक
श्री माधवेन्द्र तिवारी
(सहायक प्राध्यापक–विधि विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर,
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

शोधकर्ता
बिमला राजवाड़े
एल.एल.एम. (चतुर्थ समेस्टर)
रोल नं. 1902012
नामांकन क्र. SUP18R1495
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर,
जिला–सरगुजा (छ.ग.)



अनुसंधान केन्द्र
विधि विभाग राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर, जिला–सरगुजा (छ.ग.)

# प्रमाण पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि बिमला राजवाड़े पति श्री देवा राम राजवाड़े लघु शोध प्रतिवेदन जिसका विषय भारत में जेल सुधार की आवश्यकता : कैदियों के मानवाधिकार के विशेष संदर्भ में प्रस्तुत किया है।

इन्होंने यह लघु शोध कार्य मेरे निर्देशन व मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध इनके स्वयं के द्वारा एकत्रित किये गये तथ्यों पर आधारित है।

निर्देशक

श्री माधवेन्द्र तिवारी
(सहायक प्राध्यापक–विधि विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर,
जिला–सरगुजा (छ.ग.)

दिनाँक – 19/12/20

स्थान – अम्बिकापुर

# अनुक्रमणिका

अध्याय –1 01–31

प्रस्तावना

1.1. उपकल्पना

1.2. शोध की प्रविधि

1.3. दण्ड व्यवस्था में जेलों की भूमिका

1.4. अपराध निवारण में जेलों की भूमिका

1.5. अपराध निवारण में जेलों की अन्य भूमिका

अध्याय –2 32–45

जेल व्यवस्था का इतिहास

2.1 स्वतंत्रता से पूर्व जेल व्यवस्था

2.2 स्वतंत्रता के बाद जेल व्यवस्था

2.3 वैश्विक स्तर पर जेल व्यवस्था

2.4 भारत में जेल व्यवस्था

अध्याय –3 46–71

जेलों में कैदियों को प्राप्त अधिकार

3.1 संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार की घोषणा पत्र में कैदियों को प्राप्त अधिकार

3.2 सिविल व राजनीतिक अधिकार

3.3 भारत के अन्य विधियों में कैदियों को प्राप्त मानवाधिकार महिला कैदियों के मानवाधिकार

अध्याय–4 72–91

भारत में जेल सुधार की आवश्यकता

4.1 भारतीय जेलों की समस्याएँ

4.2 भारत में जेल सुधार की चुनौतियाँ

4.3 भारत में जेल सुधार हेतु प्रयास

अध्याय–5 92–99

निष्कर्ष एवं सुझाव

संदर्भ ग्रन्थ सूची

# "मीडिया की स्वतंत्रता और निजता का अधिकार – एक विधिक अध्ययन"

**A DESSERTATION**

**Submitted in partial fulfillment of the requirement**

**FOR THE AWARD OF TWO YEARS DEGREE OF**

**MASTER OF LAWS**

**IN**

**DEPARTMENT OF LAW**


**Under supervision of :**

**DR. MILENDRA SHINGH**
Assistant Professor
DEPARTMENT OF LAW
R.G.P.G. COLLEGE AMBIKAPUR

**Submitted to :**

**MISS PREETI YADAV**
LL.M. Scholar
Roll No. - 2902301
Enrollment No.– CP/13/292


**Session : 2020 – 2021**

Valued 7/12/2022

**DEPARTMENT OF LAW**

**R.G.P.G. COLLEGE AMBIKAPUR, SARGUJA (C.G.)**

# प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि लघु शोध प्रतिवेदन जिसका विषय **"मीडिया की स्वतंत्रता और निजता का अधिकार एक विधिक अध्ययन"** छात्र का एक मौलिक कार्य है और राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के विधि विभाग के एलएल.एम चतुर्थ सेमेस्टर में प्रस्तुत किया जा रहा है ।?

**दिनांक –**

**स्थान – अम्बिकापुर (छ0ग0)**

निर्देशक

**श्री मिलेन्द्र सिंह**
(सहा0 प्राध्यापक विधि विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ0ग0)

# अनुक्रमाणिका का विवरण


| अध्याय | अध्याय का विवरण |
|---|---|
| 1. प्रस्तावना | 1.1 परिचय |
| | 1.2 विषय के बारे में |
| | 1.2.1 गोपनीयता क्या है |
| | 1.2.2 जब कोई व्यक्ति समुदायिक स्थान पर होता है तो गोपनीयता भंग नहीं होती |
| | 1.2.3 आदर्श गोपनीयता का संबंध पूर्ण एकांत से है |
| | 1.3 अध्ययन के उद्देश्य |
| | 1.4 अनुसंधान का महत्व |
| | 1.4.1 मीडिया की स्वतंत्रता गोपनीयता के अध्ययन का महत्व |
| | 1.4.2 मीडिया का महत्व |
| | 1.5 परिकल्पना |
| | 1.6 शोध पद्धति |
| | 1.7 साहित्य समीक्षा |
| 2. मीडिया की स्वतंत्रता और | 2.1 सामान्य |
| | 2.2 मीडिया की अवधारणा |
| | 2.3 मीडिया का अर्थ एवं परिभाषा |
| | 2.4 मीडिया की स्वतंत्रता का इतिहास अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य |
| | 2.2.1 संयुक्त राज्य अमेरिका |
| | 2.2.2 रूस |

| | |
|---|---|
| निजात के अधिकार की अवधारणा अर्थ एवं परिभाषा , ऐतिहासिक परिचय | 2.2.3 यूरोप |
| | 2.2.4 यूनाईटेड किंगडम |
| | 2.3 भारतीय परिप्रेक्ष्य में मीडिया का इतिहास |
| | 2.3.1 विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस का इतिहास |
| | 2.3.2 दिवस ( वर्ल्ड प्रेस फ्रीडम डे ) |
| | 2.3.4 क्यों विश्व प्रेस दिवस मनाया जाता है । |
| | 2.3.5 विश्व में प्रेस स्वतंत्रता की भारतीय स्थिति |
| | 2.3.6 भारत की प्रेस काउंसिल से सुरक्षित प्रेस की स्वतंत्रता |
| | 2.4 गोपनीयता का इतिहास अंतर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य |
| | 2.4.1 भारत में गोपनीयता का इतिहास |
| | 2.4.2 गोपनीयता का अधिकार की अवधारणा |
| | 2.4.3 गोपनीयता का अर्थ और इसकी परिभाषा |
| | 2.4.4 गोपनीयता के विभिन्न आयाम |
| | 2.4.5 राजनीतिक गोपनीयता |
| | 2.4.6 चिकित्सा गोपनीयता |
| | 2.4.7 अनुवांशिक गोपनीयता |
| | 2.4.8 इंटरनेट गोपनीयता |
| 3. | 3.1 सामान्य |
| | 3.1.1 प्रेस की स्वतंत्रता अंतर्राष्ट्रीय आयाम |
| | 3.1.2 संयुक्त राज्य में मीडिया की स्वतंत्रता |

| | |
|---|---|
| | 3.1.3 ब्रिटेन में प्रेस की स्वतंत्रता |

| | |
|---|---|
| प्रेस की स्वतंत्रता और गोपनीयता का अधिकार अंतर्राश्ट्रीय परिप्रेक्ष्य | 3.1.4 प्रेस स्वतंत्रता के लिए पश्चिमी यूरोप में खराब ब्रिटेन |
| | 3.2 गोपनीयता के अधिकार का अंतर्राष्ट्रीय आयाम |
| | 3.2.1 गोपनीयता का ऐतिहासिक विकास अमेरिकी राज्य |
| | 3.2.2 मानवाधिकारों की सर्वभौमिक घोषणा – 1948 |
| | 3.2.3 सिविल एवं राजनीति अधिकारों की अंतर्राष्ट्रीय प्रसंविदा –1966 |
| | 3.2.4 यूरोपीय अभिसमय 1960 |
| | 3.2.5 मानवाधिकारों का अमेरिकी अभिसमय – 1969 |
| | 3.2.6 संयुक्त राज्य अमेरिका में गोपनीयता के अधिकार का विकास |
| | 3.3 ब्रिटेन में गोपनीयता का अधिकार |
| 4.<br>प्रेस की स्वतंत्रता और गोपनीयता का अधिकार भारतीय परिप्रेक्ष्य | 4.0 सामान्य |
| | 4.1 प्रेस की स्वतंत्रता भारतीय परिवेश |
| | 4.1.1 यूनिको 1991 में यूनेस्को और संयुक्त राष्ट्र से शुरूवात |
| | 4.2 भारत में प्रेस की स्वतंत्रता |
| | 4.2.1 सूचना का अधिकार कानून |
| | 4.2.2 भारत में मीडिया परीक्षणों की संवैधानिक |
| | 4.2.3 भारत में प्रसारण |
| | 4.2.4 भारत में प्रसारण विधि |
| | 4.2.5 केवल टेलीविजन नेटवर्क (विनियमन) |
| | 4.2.6 सिनेमेटोग्राफ एक्ट, 1952 |
| | 4.2.7 भारत में रेडियो प्रसारण |
| | 4.2.8 मीडिया पर कोर्ट का नियंत्रण |
| | 4.3 प्रेस की स्वतंत्रता |
| | 4.3.1 भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता |

| | |
|---|---|
| | 4.4 भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर केस स्टडी |
| | 4.5 भाषण और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नए आयाम |
| | 4.5.1 टेलीफोन टैपिंग |
| | 4.5.2 सूचना का अधिकार |
| | 4.6 प्रेस की स्वतंत्रता पर प्रतिबंध |
| | 4.8 भारत में गोपनीयता की स्वतंत्रता |
| | 4.8.1 क्या है ? गोपनीयता का अधिकार ? |
| | 4.8.2 गोपनीयता की बहस |
| | 4.9 मौलिक अनुच्छेद का निलंबन |
| 5. न्यायिक दृष्टिकोण | 5.1 सामान्य |
| | 5.2 प्रेस की स्वतंत्रता |
| | 5.3 प्रेस की स्वतंत्रता में न्यायपालिका की भूमिका |
| | 5.4 लोकतंत्र में प्रेस की स्वतंत्रता |
| | 5.5 निजता का अधिकार |
| | 5.6 निजता का अधिकार (पक्ष में दी गई दलील) |
| 6. निष्कर्ष, सुझाव एवं परिकल्पना | 6.1 निष्कर्ष |
| | 6.2 सुझाव |
| | 6.3 परिकल्पना का परीक्षण |
| 7. ग्रन्थसूची | संदर्भ सूची |
| | वेब सूची |

# ारत में लैंगिक असमानता : समाजिक एवं विधिक अध्ययन

A DISSERTATION

Submitted in Partial Fulfillment of The Requirement

FOR THE AWARD OF TWO YEARS DEGREE OF

MASTER OF LAWS

IN

DEPARTMENT OF LAW


Under Supervision of :

Mr. Brajesh Kumar
Assistant Professor
Department of Law
Govt.R.G.P.G. College

Submitted By:

Sapna Soni
LL.M. 4Th semester
Roll No.2902303
Enro. No.-AN-12/2046


Session 2020-2021

## DEPARTMENT OF LAW

R.G.P.G.Govt College Ambikapur

Affliated By:- SANT GAHIRA GURU VISHWAVIDYALYA, AMBIKAPUR (C.G
Pin.code -497001

Valued
7/2/2022

# प्रमाण–पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि सपना सोनी ने शोध – के विषय पर शोध प्रबंध **भारत में लैंगिक असमानता : समाजिक एवं विधिक अध्ययन** मेरे निर्देशन एंव मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध–प्रबंध सपना सोनी राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.) को अग्रेषित किया जाता है।

दिनांक –

स्थान – अम्बिकापुर (छ.ग.)

श्री बृजेश कुमार

(विभागाध्यक्ष विधि विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय

अम्बिकापुर, सरगुजा (छ.ग.)

**अध्याय – 1 प्रस्तावना**

1:1 प्रस्तावना 1–8

1:2 शोध समस्या का चयन एवं शोध प्रश्न का निर्धारण

1:3 साहित्य का पुनरावलोकन

1:4 शोध का उद्देश्य

1:5 परिकल्पना

1:6 शोध पद्वति

1:7 शोध की कार्यावधि

1:8 शोध की उपयोगिता

1:9 शोध का परिणाम

**अध्याय – 2 लैंगिक असमानता का अर्थ, परिभाषा एवं समानता के उपयोगिता व महत्व**

2:1 लैंगिक असमानता का अर्थ 9–28

2:2 लैंगिक असमानता का परिभाषा

2:3 लैंगिक असमानता की अवधारणा

2:4 समानता की उपयोगिता

2:5 लैंगिक समानता का महत्व

**अध्याय – 3– ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में लैगिक असमानता**

3:1 प्राचीन युग में महिलाओं का स्थान 29–64

3:2 मध्य कालीन महिलाओं की स्थिती

3:3 आधुनिक युग में महिलाऐ की स्थिती

**अध्याय 4 – भारतीय संविधान एवं अन्य विधियों के अन्तर्गत लैंगिक समानता**

4:1 भारतीय संविधान में महिलाओं से सम्बंधति उपबंध 65–79

4:2 विधवा पूर्नविवाह अधि. 1956

4:3 शारदा अधिनियम बाल विवाह प्रतिषेध 1980

4:4 हिन्दु विवाह अधिनियम 1955

4:5 दहेज प्रतिबंध अधिनियम 1961

4:6 घरेलु हिंसा रोकथाम अधि 2005

4:7 कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न संरक्षण अधिनियम 2005

4:8 राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना व कार्य।

**अध्याय –5– भारत में लैंगिक असमानता पर न्यायिक दृष्टिकोण**

5:1 लैंगिक असमानता को रोकने हेतु न्यायालय के न्यायिक निर्णय 80–95

5:2 लिंग असमानता के प्रति जागरूकता के निर्देश

**अध्याय – 6 लैगिक असमानता अध्ययन के निष्कर्ष एवं सुझाव**

6:1 लैगिक असमानता अध्ययन के निष्कर्ष 96–103

6:2 लैगिक असमानता में सुधार हेतु सुझाव

# भारत में न्यायिक सक्रियता का विशलेषणात्मक अध्ययन; पर्यावरण संरक्षण के विशेष सन्दर्भ में

सत्र 2020-21

लघु शोध प्रबंध

( एल एल. एम .चतुर्थ सेमेस्टर के अनिवार्य लघुशोध प्रबंध के परीक्षा हेतु प्रस्तुत)


**शोध निर्देशक :**

श्री माधवेन्द्र तिवारी

(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग)

**लघुशोध कर्ता :**

मिनाक्षी यादव

एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर

रोल न. 2902298

नामांकन क्रमांक - A-10/687



**अध्ययन केन्द्र**

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर , सरगुजा (छ.ग.)

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर से सम्बध्द


Valued 7/2/2022

# प्रमाण -पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मिनाक्षी यादव , एल एल. एम. (चतुर्थ सेमेस्टर) द्वारा लिखित प्रस्तुत लघु शोध कार्य **"भारत में न्यायिक सक्रियता का विश्लेषणात्मक अध्ययन ;पर्यावरण संरक्षण के विशेष सन्दर्भ में "** कृति है जिसे इन्होने मेरे निर्देशन में सतत अध्ययनरत रहकर संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय से सम्बन्ध राजीव गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की एल एल. एम. की परीक्षा 2020-21 हेतु अनिवार्य चतुर्थ प्रश्न -पत्र के रूप में प्रस्तुत करने हेतु तैयार किया गया है।

**स्थान-अम्बिकापुर**

**दिनाँक** 5/2/2022

**शोध निर्देशक :**

**श्री माधवेन्द्र तिवारी**

**(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग)**

**राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर**

**महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.**

# अनुक्रमाणिका


| अध्याय क्र. | विषय सूची | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| **1** | **प्रस्तावना** | **1-18** |
| 1.1 | विषय परिचय | 2-3 |
| 1.2 | शोध परिकल्पना | 3 |
| 1.3 | साहित्य का पुनरवलोकन | 3-15 |
| 1.4 | शोध पद्धति | 15-16 |
| 1.5 | तथ्य विश्लेषण प्रविधि | 16 |
| 1.6 | शोध के उद्देश्य एवं औचित्य | 17 |
| 1.7 | शोध की उपयोगिता | 17 |
| 1.8 | शोध की रुपरेखा | 17-18 |
| **2** | **न्यायिक सक्रियता का अर्थ ,परिभाषा एवं विकास** | **19-49** |
| 2.1 | न्यायिक सक्रियता की अवधारणा | 20 |
| 2.2 | न्याय का परम्परावादी दृष्टिकोण | 20-22 |
| 2.3 | भारत में जनहित मामलो का प्रारम्भ | 22-27 |
| 2.4 | जनहित मामलो का विकास | 27-31 |
| 2.5 | भारत में जनहित मामलो का विकास | 31-33 |
| 2.6 | न्यायिक सक्रियता | 33-34 |

| | | |
|---|---|---|
| 2.7 | न्यायिक सक्रियता का अर्थ | 35-36 |
| 2.8 | न्यायिक सक्रियता का दौर | 36-37 |
| 2.9 | भारत में न्यायिक सक्रियता का सूत्रपात | 37-39 |
| 2.10 | सुनवाई के अधिकार का विस्तार एवं न्यायिक सक्रियता | 39-41 |
| 2.11 | न्यायिक प्रक्रिया की बदलती भूमिका | 41-49 |
| **3** | **भारत में पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रावधान** | **50** |
| 3.1 | सामान्य परिचय | 51-55 |
| 3.2 | पर्यावरण और परितंत्र | 55-56 |
| 3.3 | पर्यावर्णीय समस्यायें | 56 |
| 3.4 | संसाधन न्यूनीकरण | 56—57 |
| 3.5 | पर्यावर्णीय प्रदूषण | 57 |
| 3.6 | जलवायु परिवर्तन | 58 |
| 3.7 | जैव विविधता ह्रास | 58 |
| 3.8 | प्राकृतिक आपदाये | 58-59 |
| 3.9 | पर्यावरण संरक्षण | 59 |
| 3.10 | पर्यावरण संरक्षण की समस्या | 59 |
| 3.11 | पर्यावरण संरक्षण का महत्व | 60 |
| 3.12 | पर्यावरण संरक्षण के उपाय | 60-62 |

| | | |
|---|---|---|
| 3.13 | स्वतंत्र भारत में पर्यावरण नीतिया एवं कानून | 62-63 |
| 3.14 | एतिहासिक पृष्ठभूमि | 63-77 |
| 3.15 | पर्यावरण के संरक्षण और सुधार के लिए मानवकृत महत्वपूर्ण उपाये | 77-80 |
| **4** | **भारत में पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी विधियाँ** | **81-94** |
| **5** | **पर्यावरण संरक्षण सम्बन्ध में न्यायपालिका की भूमिका** | **95-115** |
| **6** | **निष्कर्ष एवं सुझाव** | **116-121** |
| **संदर्भ ग्रन्थ सूची** | | **122-124** |

# भारत में बालकों का विधिक एवं संवैधानिक अधिकार : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन

सत्र 2020-21

**लघु शोध प्रबंध**

मास्टर ऑफ लॉ (एल एल.एम चुतुर्थ सेमेस्टर) की उपाधि हेतु प्रस्तुत


**शोध निर्देशक**

श्री ब्रजेश कुमार
सहायक प्राध्यापक
(विधि विभाग)
राजीव गांधी शास.स्ना.महा.वि.
अम्बिकापुर (छ.ग.)

**शोधकर्ता**

दीपक विश्वकर्मा
एल एल.एम चतुर्थ सेमेस्टर
रोल नम्बर - 2902293
नामांकन क्र.-SUP16R1014



©2021 Deepak Vishwakarma. All Rights Reserved


---


**अनुसंधान केन्द्र**
**विधि विभाग**
**राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्त महाविद्याल अम्बिकापुर**
**जिला सरगुजा (छ.ग.)**


Valued 7/2/2022

# प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि दीपक विश्वकर्मा लघु शोध प्रतिवेदन जिसका विषय "भारत में बालकों का विधिक एवं संवैधानिक अधिकार : एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया गया है। यह लघु शोध कार्य, इनका मौलिक कार्य है।

स्थान – अम्बिकापुर

दिनांक –

लघु शोध निर्देशक
श्री ब्रजेश कुमार
सहायक प्राध्यापक
(विधि विभाग)
राजीव गांधी शास.स्नात.महा.वि.
अम्बिकापुर (छ.ग.)

# अनुक्रमणिका


| अध्याय | विवरण | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|
| अध्याय–1 | प्रस्तावना | |
| 1.1 | भूमिका | 01 |
| अध्याय–2 | बाल अधिकार अवधारणा एवं ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | |
| 2.1 | भूमिका। | 08 |
| 2.2 | बालक का अर्थ | 09 |
| 2.3 | बाल अधिकार की अवधारणा। | 10 |
| (अ). | अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ में। | 13 |
| (ब). | भारत के संदर्भ में। | 14 |
| 2.4 | बाल अधिकार से संबंधित ऐतिहासिक पृष्ठभूमि। | 15 |
| (अ). | अन्तर्राष्ट्रीय संदर्भ में | 16 |
| (ब). | भारत के संदर्भ में | 17 |
| अध्याय–3 | अन्तर्राष्ट्रीय विधि में बालकों के अधिकार : एक समीक्षा | |
| | भूमिका | 19 |
| अध्याय–4 | भारतीय संविधान में बालकों के अधिकार | |
| 4.1 | भूमिका | 35 |
| 4.2 | भारतीय संविधान में बाल अधिकार से संबंधित उपबंध | 36 |
| (अ). | मौलिक अधिकार के अन्तर्गत बालकों के अधिकार | 36 |
| (ब). | राज्य के नीति निर्देशक तत्व के अन्तर्गत | 45 |

# बालश्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम 1986 के विशेष सन्दर्भ में एक अध्ययन

सत्र 2020-21

लघु शोध प्रबंध

( एल एल. एम .चतुर्थ सेमेस्टर के अनिवार्य लघुशोध प्रवंध के परीक्षा हेतु प्रस्तुत)


**शोध निर्देशक :**

श्री माधवेन्द्र तिवारी

(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )

**लघुशोध कर्ता :**

प्रभावती प्रभाकर

एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर

रोल न. 2902300

नामांकन क्रमांक - A-11/7782


**अध्ययन केन्द्र**

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर , सरगुजा (छ.ग.)

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर से सम्बध्द

# प्रमाण -पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि प्रभावती प्रभाकर , एल एल. एम. (चतुर्थ सेमेस्टर) द्वारा लिखित प्रस्तुत लघु शोध कार्य **"बालश्रम (प्रतिषेध और विनियमन )अधिनियम 1986 के विशेष सन्दर्भ में एक अध्ययन "**इनकी कृति है जिसे इन्होने मेरे निर्देशन में सतत अध्ययनरत रहकर संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय से सम्बन्ध राजीव गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की एल एल. एम. की परीक्षा 2020-21 हेतु अनिवार्य चतुर्थ प्रश्न -पत्र के रूप में प्रस्तुत करने हेतु तैयार किया गया है।

**स्थान-अम्बिकापुर**

**दिनाँक**

**शोध निर्देशक :**

**श्री माधवेन्द्र तिवारी**

**(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )**

**राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर**

**महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.**

# अनुक्रमाणिका


| अध्याय क्र. | विषय सूची | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| **1** | **प्रस्तावना** | **1-8** |
| 1.1 | विषय परिचय | 2-3 |
| 1.2 | साहित्य का पुनरवलोकन | 3-4 |
| 1.3 | अध्ययन का उद्देश्य | 5-6 |
| 1.4 | परिकल्पना | 6 |
| 1.5 | शोध पद्धति | 6-7 |
| 1.6 | शोध कार्य विधि | 7 |
| 1.7 | शोध की उपयोगिता | 7 |
| 1.8 | रुपरेखा | 8 |
| **2** | **बालश्रम का अर्थ , अवधारणा एवं एतिहासिक दृष्टिकोण** | **9-39** |
| 2.1 | विषय परिचय | 10-13 |
| 2.2 | बालश्रम की अवधारणा | 13-14 |
| 2.3 | बाल मजदूरी के कारण | 15 |
| 2.4 | बाल मजदूरी और औपचारिक स्कूली शिक्षा | 15-17 |
| 2.5 | एम.वी.एफ मॉडल | 17-19 |

| | | |
|---|---|---|
| 2.6 | बाल उत्पीड़न | 19-20 |
| 2.7 | बाल श्रमिको पर अत्याचार | 20-25 |
| 2.8 | बाल उत्पीड़न के दुष्प्रभाव | 25-26 |
| 2.9 | विभिन उद्योगों में कार्यरत बाल श्रमिको का वितरण | 26-28 |
| 2.10 | बाल श्रमिको की कार्यदशा एवं समस्यायें | 28-30 |
| 2.11 | बाल मजदूरी उन्मूलन हेतु किये जा रहे प्रयास | 30-31 |
| 2.12 | राष्ट्रीय बाल श्रम परियोजना के तहत शामिल नीति | 31-33 |
| 2.13 | बालश्रम के प्रभाव | 33-34 |
| 2.14 | एतिहासिक पृष्ठभूमि | 35-38 |
| 2.15 | वैश्वीकरण की प्रक्रिया में बालश्रम | 38-39 |
| **3** | **बालश्रम संरक्षण हेतु उपलब्ध विधियाँ :राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय** | **40-56** |
| **4** | **बालश्रम (प्रतिषेध और विनियमन) अधिनियम 1986 एवं बालश्रम समस्या एक दृष्टिकोण** | **57-76** |
| **5** | **भारत में बालश्रम एक न्यायिक दृष्टिकोण** | **77-87** |
| **6** | **निष्कर्ष एवं सुझाव** | **88-97** |
| **संदर्भ ग्रन्थ सूची** | | **98-100** |

# मानवधिकार एवं निजता का अधिकार एक विधिक अध्ययन

सत्र 2020-21

## लघु शोध प्रबंध

(एल एल. एम .चतुर्थ सेमेस्टर के अनिवार्य लघुशोध प्रबंध के परीक्षा हेतु प्रस्तुत)


शोध निर्देशक :

श्री माधवेन्द्र तिवारी

(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )

लघुशोध कर्ता :

वर्षा सोनी

एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर

रोल न. 2902306

नामांकन क्रमांक - A-13/3328



अध्ययन केन्द्र

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर , सरगुजा (छ.ग.)

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर से सम्बध्द


Valued 7/2/2022

# प्रमाण -पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि वर्षा सोनी , एल एल. एम. (चतुर्थ सेमेस्टर) द्वारा लिखित प्रस्तुत लघु शोध कार्य **"मानवधिकार एवं निजता का अधिकार एक विधिक अध्ययन "** इनकी कृति है जिसे इन्होने मेरे निर्देशन में सतत अध्ययनरत रहकर संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय से सम्बन्ध राजीव गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की एल एल. एम. की परीक्षा 2020-21 हेतु अनिवार्य चतुर्थ प्रश्न -पत्र के रूप में प्रस्तुत करने हेतु तैयार किया गया है।

**स्थान-अम्बिकापुर**
**दिनाँक**

**शोध निर्देशक :**
**श्री माधवेन्द्र तिवारी**
**(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )**
**राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर**
**महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.**

# अनुक्रमणिका


| अध्याय क्र. | विषय सूची | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| **1** | **प्रस्तावना** | **1-11** |
| 1.1 | विषय परिचय | 2-4 |
| 1.2 | साहित्य का पुनरवलोकन | 4-6 |
| 1.3 | अध्ययन का उद्देश्य | 6-8 |
| 1.4 | परिकल्पना | 8-9 |
| 1.5 | शोध पद्धति | 9 |
| 1.6 | शोध कार्य विधि | 9-10 |
| 1.7 | शोध की उपयोगिता | 10 |
| 1.8 | रुपरेखा | 10-11 |
| **2** | **मानवाधिकार का अर्थ ,अवधारणा एवं एतिहासिक पृष्ठभूमि** | **12-33** |
| 2.1 | मानवाधिकार का अर्थ | 13 |
| 2.2 | राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस | 14-15 |
| 2.3 | मानवाधिकार की अवधारणा व विकास | 15-19 |
| 2.4 | स्वतंत्रता के घोषणा पत्र | 19 |
| 2.5 | हैवियस कारपस अधिनियम | 19-20 |

| | | |
|---|---|---|
| 2.6 | मानवाधिकार का सार्वभौमिकरण | 20-21 |
| 2.7 | नागरिक और राजनैतिक अधिकार | 21-22 |
| 2.8 | मानवाधिकार के संरक्षण में न्यायविदो की भूमिका | 22-23 |
| 2.9 | मानव अधिकार : अभिप्राय | 23-24 |
| 2.10 | मानवाधिकारों का प्रादुर्भाव | 25 |
| 2.11 | वैश्विक परिप्रेमेंक्ष्य में मानवाधिकारों की उत्पत्ति | 25-26 |
| 2.12 | मानवाधिकार एवं विधि शासन | 26 |
| 2.13 | न्यायिक पुनरवलोकन एवं मानवाधिकार | 27 |
| 2.14 | मानव अधिकार एवं जनहित | 27-28 |
| 2.15 | अमानवीय कृत्य एवं मानवाधिकार | 28-29 |
| 2.16 | सार्वभौम घोषणा एवं मानवाधिकार | 29-31 |
| 2.17 | भारतीय संविधान में मूलाधिकार एवं मानवाधिकारों का संरक्षण | 31-33 |
| **3** | **निजता का अधिकार -अर्थ ,अवधारणा एवं विकास** | **34-56** |
| **4** | **मानवाधिकार से सम्बन्धित राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय विधियाँ** | **57-75** |
| **5** | **निजता के अधिकार से सम्बन्धित राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय विधियाँ** | **76-84** |
| **6** | **मानवाधिकार एवं निजता के अधिकार से सम्बन्धित न्यायिक दृष्टिकोण** | **85-94** |
| **7** | **निष्कर्ष एवं सुझाव** | **95-101** |
| **संदर्भ ग्रन्थ सूची** | | **102-105** |

# भारत में पर्यावरण संरक्षण एक विधिक अध्ययन : उच्चतम न्यायलय के निर्णयों के विशेष सन्दर्भ में

सत्र 2020-21

लघु शोध प्रबंध

( एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर के अनिवार्य लघुशोध प्रवंध के परीक्षा हेतु प्रस्तुत )


शोध निर्देशक :

श्री माधवेन्द्र तिवारी

(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )

लघुशोध कर्ता :

मृत्युंजय कुमार पटेल

एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर

नामांकन क्रमांक - SUP16R1043



अध्ययन केन्द्र

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर , सरगुजा (छ.ग.)

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर से सम्बद्ध


Valued 7/2/2022

# प्रमाण -पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि मृत्युंजय कुमार पटेल , एल एल एम (चतुर्थ सेमेस्टर) द्वारा लिखित प्रस्तुत लघु शोध **"भारत में पर्यावरण संरक्षण एक विधिक अध्ययन : उच्चतम न्यायलय के निर्णयों के विशेष सन्दर्भ में "**इनकी कृति है जिसे इन्होने मेरे निर्देशन में सतत अध्ययनरत रहकर संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय से सम्बद्ध राजोव गाँधी शासकी य स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर के एल एल. एम. की परीक्षा 2020-21 हेतु अनिवार्य चतुर्थ प्रश्न -पत्र के रूप में प्रस्तुत करने हेतु तैयार किया गया है।

**स्थान-अम्बिकापुर**
**दिनाँक**

**शोध निर्देशक :**
**श्री माधवेन्द्र तिवारी**
**(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )**
**राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर**
**महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.**

# अनुक्रमणिका


| अध्याय क्र. | विषय सूची | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1 | **प्रस्तावना** | **1-23** |
| 1.1 | विषय परिचय | 2-4 |
| 1.2 | शोध परिकल्पना | 5 |
| 1.3 | साहित्य का पुनरवलोकन | 5-21 |
| 1.4 | शोध पद्धति | 21-22 |
| 1.5 | तथ्य विश्लेषण प्रविधि | 22 |
| 1.6 | शोध के उद्देश्य एवं औचित्य | 22-23 |
| 1.7 | शोध की रुपरेखा | 24 |
| **2** | **पर्यावरण की अवधारणा एवं विकास** | **24-59** |
| 2.1 | सामान्य परिचय | 25-28 |
| 2.2 | भारतीय संस्कृति में पर्यावरण चिंतन | 28 |
| 2.3 | पर्यावरण संरक्षण | 28 |
| 2.4 | पर्यावर्णीय समस्यायें | 29-31 |
| 2.5 | पर्यावरण संरक्षण की समस्या | 31-32 |
| 2.6 | पर्यावरण संरक्षण का महत्व | 32 |
| 2.7 | पर्यावरण संरक्षण के उपाय | 32-35 |
| 2.8 | ऐतिहासिक पृष्ठभूमि | 35-52 |
| 2.9 | पर्यावरण के संरक्षण और सुधार के लिए मानवकृत महत्वपूर्ण उपाय | 52-55 |
| 2.10 | पर्यावरण संरक्षण के अन्य उपाय | 56-59 |

| | | |
|---|---|---|
| 3 | **विशिष्ट विधियों के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रावधान** | **60-77** |
| 3.1 | जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण)अधिनियम ,1974 तथा 1977 | 61-63 |
| 3.2 | वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण)अधिनियम ,1981 | 63-65 |
| 3.3 | वन्यजीवन संरक्षण अधिनियम,1972 | 65-67 |
| 3.4 | वन संरक्षण अधिनियम ,1980 | 67-68 |
| 3.5 | ध्वनी प्रदूषण नियंत्रण कानून | 68-69 |
| 3.6 | पर्यावरण (संरक्षण)अधिनियम | 69-70 |
| 3.7 | जैव विविधता संरक्षण अधिनियम ,2002 | 71-72 |
| 3.8 | राष्ट्रीय जलनीति , 2002 | 72-73 |
| 3.9 | राष्ट्रीय पर्यावरण नीति ,2004 | 73-75 |
| 3.10 | वन अधिकार अधिनियम ,2006 | 75-77 |
| **4** | **भारतीय संविधान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण सम्बन्धी प्रावधान** | **78-110** |
| **5** | **पर्यावरण संरक्षण में उच्चतम न्यायलय की भूमिका** | **111-125** |
| **6** | **निष्कर्ष एवं सुझाव** | **126-128** |
| **संदर्भ ग्रन्थ सूची** | | **129-132** |

# MEDICAL NEGLIGENCE IN INDIA: AN ANALYTICAL STUDY

**DISSERTATION**
**SUBMITTED IN PARTIAL FULFILMENT OF THE REQUIREMENTS**
**FOR THE DEGREE OF**

**Master of Laws**

**Session 2020-2021**


**Under Supervision OF**

**MR.MADHVENDRA TIWARI**
Assistant Professor
Department of Law
R.G.P.G College Ambikapur

**SUBMITTED BY :**

**MR.VISHAL SONI**
L.L.M IV Semester
Roll No. 2902313
Enrollment No.C-12/316


Valued
7/2/2022


**Department of Law**

**Rajeev Gandhi Gov. Post Graduate College Ambikapur(c.g)**

**Affiliated By:-SANT GAHIRA GURRU UNIVERSITY**

**`AMBIKAPUR , Dist:-Sarguja (C.G)**

# CERTIFICATE OF THE GUIDE

CERTIFIED that the work incorporated in the thesis titled **Medical Negligence in India: An Analytical Study** submitted by **Mr.VISHAL SONI** was carried out by the candidate under my supervision and guidance. Such material has been obtained from other sources has been duly acknowledged in the thesis.

**(Mr. MADHVENDRA TIWARI)**

**Research Guide**

**Place: Ambikapur (c.g)**

**Date: 4/02/2022**

## CONTENTS


| SR. NO | CHAPTER DESCRIPTION | PAGE NO |
|---|---|---|
| | **Chapter I**<br>**Introduction** | 1-14 |
| 1.1 | Introduction | 1 |
| 1.2 | Statement of the Research Problem | 3 |
| 1.3 | Hypothesis | 5 |
| 1.4. | Aim and Objective of Study | 5 |
| 1.5. | Rational and Signification of study | 6 |
| 1.6. | Scope and Limitation of study | 7 |
| 1.7. | Research Methodology | 8 |
| 1.8. | Review of Literature | 8 |
| 1.9. | Scheme of Chapterisation | 12 |
| | **Chapter II**<br>**Medical Negligence: Conceptual Analysis and Historical Development** | 15-39 |
| 2.1 | Introduction | 15 |
| 2.2 | Medical Negligence: Conceptual Analysis | 15 |
| | 2.2.1. Negligence: Meaning and Definition | 15 |
| | 2.2.2. Definition of Profession, Medical Profession and Professional Negligence | 16 |
| | 2.2.3. Right to Health Care and Medical Negligence: An Interlink | 17 |
| | 2.2.4. Medical Negligence: Definition | 18 |
| | 2.2.5. Medical Malpracticeand Medical Negligence: Differential Approach | 19 |
| | 2.2.6. Kinds of Negligence | 19 |
| | 1. Gross Negligence | 20 |
| | 2. Comparative Negligence | 20 |

| | | |
|---|---|---|
| | 3. Contributory Negligence | 20 |
| | 4. Composite Negligence | 21 |
| | 5. Corporate Negligence | 21 |
| 2.3 | Medical Negligence and Nature of Its Punishment: Historical Evaluation | 22 |
| | 2.3.1. During ancient and medieval period | 22 |
| | 2.3.2. During pre-constitutional period | 28 |
| | 2.3.3. During post-constitutional period | 30 |
| | 2.3.3.1.Constitutional provision | 31 |
| | 2.3.3.2.Other legal avenues | 38 |
| 2.4. | Conclusion and Appraisal | 39 |
| | | |
| | **Chapter III**<br>**Law related to medical Negligence in India and world** | 40-84 |
| 3.1. | Introduction | 40 |
| 3.2. | Medical Negligence in UK | 40 |
| | 3.2.1. Elements of Negligence: | 41 |
| | 1. Duty of care | 42 |
| | 2. Breach of duty | 43 |
| | 3. Causation | 44 |
| | 3.2.2 Medical Negligence : Regulating Principles | 45 |
| | 1. National Health Service is-a- vis Private Medical Practitioners : | 45 |
| | 2. NHS Litigation Authority | 45 |
| | 3. Indemnity Through Medical Defense Organizations | 46 |
| | 4. Clinical Negligence Program for Trusts | 46 |
| | 5. Vicarious Liability of hospitals and doctors | 46 |
| | 3.2.3. Clinical negligence and legal procedure: | 47 |
| | 1. Clinical records | 47 |
| | 2. Limitation period: | 48 |

| | | |
|---|---|---|
| | 3. Legal aid | 48 |
| | 4. Costs | 49 |
| | 5. Conditional Fee Agreement | 49 |
| | 6. The Burden of Proof | 49 |
| | 7. The But For Test: | 50 |
| | 8. Damage | 53 |
| | 9. Health Service Commissioner (the Ombudsman) | 54 |
| | 3.2.4. Informed Consent and Medical Negligence: | 54 |
| | 3.2.5. Judicial Interpretation | 58 |
| 3.3. | Medical Malpractice in United States. | 61 |
| | 3.3.1. Legal Elements of medical negligence: | 61 |
| | 3.3.2. Law applicable to Medical Negligence. | 64 |
| | 3.3.2.1. State Legislatures: | 65 |
| | 3.3.2.2. Good Samaritan laws: | 65 |
| | 3.3.2.3. Pre-Trial Screening of Cases | 67 |
| | 3.3.2.4. Alternative Dispute Resolution | 67 |
| | 3.3.2.5. Statutes of Limitations: | 67 |
| | 3.3.2.6. Role of Expert Witnesses | 68 |
| | 3.3.3. Compensation: | 69 |
| | 3.3.3.1.1. Limits on Damages | 69 |
| | 3.3.3.2. Attorney Compensation | 71 |
| | 3.3.3.3. Joint and Several Liability | 73 |
| | 3.3.3.4. Lump Sum or Periodic Payments | 74 |
| | 3.3.3.5. Recoveries from Collateral Sources | 74 |
| | 3.3.3.6. Patient Compensation Funds | 75 |
| | 3.3.3.7 Enterprise Liability | 75 |
| | 3.3.4. Aligning Malpractice Law and Patient Safety Concerns | 76 |
| | 3.3.5. Role of consent | 78 |
| 3.4. | Legal system pertaining to medical negligence in India, UK and USA: Comparative analysis | 81 |

| | | |
|---|---|---|
| 3.5. | Conclusion and appraisal: | 84 |
| | **Chapter IV**<br>**REDRESSAL MECHANISM UNDER CONSUMER PROTECTION ACT: A CRITICAL APPRAISAL** | 85-133 |
| 4.1. | Introduction | 85 |
| 4.2. | Redressal Mechanism | 85 |
| | 4.2.1. Remedies under Constitution of India | 86 |
| | 4.2.2. Enforcement Machinery under Civil Law | 87 |
| | 4.2.3. Enforcement Machinery under Criminal Law | 88 |
| | 4.2.4. Medical Negligence and Medical Council of India Act: Role of Medical Council of India | 89 |
| | 4.2.5. Consumer Dispute Redressal Mechanism: Three Tire System | 92 |
| | 4.2.5.1.District Forum | 93 |
| | 4.2.5.2. State Commission | 99 |
| | 4.2.5.3. National Commission | 102 |
| 4.3. | Burden of Proof and Causation | 113 |
| | 4.3.1. Causation | 104 |
| | 4.3.2. Res Ipsa Loquitur | 107 |
| | 4.3.3. Evidence | 110 |
| 4.4. | Compensation | 113 |
| 4.5. | Defence against Medical Negligence | 117 |
| | 1. 'But for' Test | 117 |
| | 2. Locality Rule | 118 |
| | 3. Error of Judgment | 118 |
| | 4. Difference of Medical Opinion | 120 |
| | 5. Contributory Negligence | 120 |
| | 6. General Exceptions under Indian Penal Code | 120 |
| | 7. ActioPersonalisMoritur Cum Person | 122 |
| | 8. Due Care Taken | 123 |
| | 9. Rarest of Rare Cases | 124 |
| | 10. Knowledge not available at the time of incident | 124 |
| | 11. Period of Limitation | 124 |
| 4.6. | Doctor- Patient Relationship | 125 |
| | 4.6.1. Rights of Patient | 125 |

| | | |
|---|---|---|
| | 4.6.2. Responsibilities of a Patient | 128 |
| 4.7. | Customary Mechanism and Mechanism under Consumer Protection Act:<br><br>Comparative Analysis | 131 |
| 4.8. | Conclusion and Appraisal | 132 |
| | **CHAPTER V**<br>**INTERPRETATION OF LAWS RELATING TO MEDICAL NEGLIGENCE IN INDIA- JUDICIAL ACTIVISM** | 134-176 |
| 5.1. | Introduction | 134 |
| 5.2. | Potential areas of medical negligence cases | 134 |
| 5.3. | Landmark Supreme Court Judgments on Medical Negligence | 146 |
| | 5.3.1 Criminal medical cases under Indian Penal Code | 147 |
| | **Chapter VIII**<br>**Conclusion and Suggestions** | 177-194 |

RAJEEV GANDHI GOVERNMENT PG
COLLEGE AMBIKAPUR(C.G.)

# STATUS OF EXTRA JUDICIAL KILLINGS IN SPECIAL ASPECT OF HUMAN RIGHTS IN INDIA

**DISSERTATION SUBMITTED FOR THE PARTIAL FULFILLMENT OF LL.M DEGREE**

**SUPERVISOR**

**Mr.MILENDRA SINGH**

**ASSISTANT PROFESSOR**

**SUBMITTED BY**

**SUDHANSHU MISHRA**

**ROLL NO: 02139-LLM(OLD COURSE)**

**HUMAN RIGHTS**

Valued 7/2/2022

# CERTIFICATE OF THE SUPERVISOR

This is to certify that the present work entitled **"Extra Judicial Killings And Human Rights In India"** is a piece of research work done by Mr Sudhanshu Mishra, under the guidance and supervision of him supervisor for the partial fulfillment of the requirement of LL.M degree of) Rajeev Gandhi PG College Ambikapur (C.G.) India. This work has been done to the subject satisfaction of him supervisor and has met with the required standards of the University.

I wish him every success in life.

Date: 20/12/2021

Mr. Milendra Singh
Assistant Professor
Supervisor

# Table of Contents


DECLARATION ..... i

CERTIFICATE OF THE SUPERVISOR ..... ii

ACKNOWLEDGEMENT ..... iii

LIST OF AUTHORITIES ..... iv

LIST OF ABBREVIATIONS ..... vi

TABLE OF CASES ..... viii

CHAPTER I ..... 1

INTRODUCTION ..... 2

1.1 Legality of Extra Judicial killing ..... 3

1.1.1 In the context of armed conflict ..... 3

1.1.2 Outside the context of armed conflict ..... 4

1.1.3 The use of inter-state force ..... 5

1.2 Background ..... 6

1.3 Literature Review ..... 10

1.3.1 Books ..... 10

1.3.2 Articles ..... 11

1.4 Statement of Problem ..... 13

1.5 Hypothesis ..... 13

1.6 Objectives of Study ..... 13

1.7 Research Methodology ..... 13

1.8 Limitation of Study ..... 14

1.9 Scope of the Study ..... 14

1.10 Chapterization ..... 14

CHAPTER II ..... 15

INTERNATIONAL PERSPECTIVE ON EXTRA JUDICIAL KILLINGS ..... 15

2.1 Sovereignty issues and States' invocation of the right to self-defence ..... 20

2.2 The relationship between self-defence, IHL and human rights law ..... 20

2.3 Anticipatory and pre-emptive self-defence ..... 22

2.4 Extra Judicial Killings Under Various Human Rights Instruments. ..... 24

2.4.1 Universal Declaration of Human Rights, 1948 ..... 25

2.4.2 International Covenant on Civil and Political Rights, 1976 ..... 25
2.4.3 Convention against Torture and Other Cruel, Inhuman or Degrading Treatment or Punishment, 1984 ..... 27
2.4.4 Special Rappatoeurs on summary execution and extra judicial killings ..... 32
2.4.5 Model protocol for a legal investigation of extra legal, arbitrary and summary executions ("Minnesota Protocol") 2014. ..... 42
2.4.6 Basic Principles on the Use of Force and Firearms by Law Enforcement Officials ..... 44
2.5 The Widened Scope Of State Obligations And The Special Responsibility Of The State ..... 36
2.5.1 Is there any uniform International definition for Extrajudicial killings? ..... 39
2.6 Conclusion ..... 43
CHAPTER III ..... 47
EXTRA JUDICIAL KILLINGS AND HUMAN RIGHTS: INDIAN REGIME ..... 47
CHAPTER III ..... 48
3.1 Right of life and personal liberty ..... 54
3.2 Immunity from prosecution ..... 57
3.2.1 Validity of Section 197 Cr.P.C ..... 60
3.2.2 Need for sanction when to be considered ..... 61
3.2.3 No form of sanction but application of mind is necessary ..... 61
3.2.4 Acts to fall within scope and range of official duty for availing of protection ..... 64
3.2.5 Discretionary powers of the Governor in relation to granting sanction for the prosecution of Public Servants ..... 65
3.3 Power of arrest ..... 66
3.3.1 Pre-Arrest ..... 67
3.3.2 Arrest ..... 68
3.3.3 Post Arrest ..... 70
3.4 Right of Private Defence ..... 71
3.5 Abuse of Power by Public Servant ..... 72
3.6 Victim's Right for Compensation ..... 75
3.7 NHRC guidelines ..... 81
3.8 Conclusion ..... 84
CHAPTER IV ..... 87
CASE ANALYSIS ..... 87
4.1 Introduction ..... 88

4.2 Ishrat Jahan Encounter Case ..... 88
4.3 Batla House Encounter Case ..... 92
4.4 Dehradun Encounter Case ..... 98
CHAPTER V ..... 102
CONCLUSION ..... 102
BIBLIOGRAPHY ..... xivxiii
WEBLIOGRAPHY ..... xviiiii

# भारत में महिला अधिकारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन : घरेलू हिंसा संरक्षण अधिनियम 2005 के विशेष संदर्भ में

सत्र 2020–21
लघु शोध प्रबंध

(एल. एल. एम चतुर्थ लघुशोध प्रबंध के परीक्षा हेतु प्रस्तुत)


**शोध निर्देशक :**

श्री माधवेन्द्र तिवारी
(सहा. प्राध्यायपक विधि विभाग)

**लघुशोध कर्ता**

काजल गुप्ता
एल.एल.एम. चतुर्थ सेमेस्टर
रोल नं0 – 2902296
नमांकन क्रं .– A-13/3142


**अध्ययन केन्द्र**

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्त्र महाविद्यालय अंबिकापुर , सरगुजा(छ0ग0)
संत गहिरा गुरू विश्वविद्यालय अंबिकापुर से सम्बद्ध

Valued
7/2/2022

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता हैं कि काजल गुप्ता ने शोध – के विषय पर शोध प्रबंध **भारत में महिला अधिकारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन : घरेलू हिंसा के संरक्षण अधिनियम 2005 के विशेष संदर्भ में** मेरे निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध–प्रबंध काजल गुप्ता, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ0ग0) को अग्रेषित किया जाता है।

दिनाँक

स्थान –अम्बिकापुर (छ0ग0)

श्री माधवेन्द्र तिवारी

(सहा0 प्राध्यापक विधि विभाग)

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर

महाविद्यालय, अम्बिकापुर (छ0ग0)

अध्याय–1.1प्रस्तावना 1–9

1.1 शोध समस्या का चयन एवं शोध प्रश्न का निर्धारण
1.2 साहित्य का पुनरावलोकन
1.3 शोध का उद्देश्य
1.4 परिकल्पना
1.5 शोध पद्धति
1.6 शोध की कार्यविधि
1.7 शोध की उपयोगिता
1.8 शोध का परिणाम

अध्याय–2 ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में भारतीय महिलाओ के अधिकार 10–29

2.1 प्रस्तावना
2.2 ऐतिहासि परिप्रेक्ष्य में भारतीय महिलाओं के अधिकार
2.3 प्राचीन भारत में महिलाओ की सामाजिक स्थिति
2.4 प्राचीन भारत में महिलाओं के आर्थिक स्थिति
2.5 प्राचीन काल में महिलाओं की दशा
2.6 ऐतिहासिक प्रथाएं

अध्याय–3 भारतीय संविधान के अन्तर्गत महिलाओं के अधिकार 30–50

अध्याय–4 विभिन्न विधियों के अन्तर्गत महिलाओं के अधिकार 51–80

4.1 प्रस्तावना

4.2 भारतीय दण्ड संहिता 1860

4.3 दण्ड प्रकिया संहिता 1973

4.4 महिलाओं का कार्य स्थल पर लैगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिबंध एंवं प्रतितोष अधिनियम 2013

4.5 पूर्व गर्भाधान और प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम 1994

4.6 अनैतिक व्यापार (रोकथाम ) अधिनियम 1956

4.7 दहेज निषंध अधिनियम 1961

अध्याय–5 महिलाओ के अधिकार में घरेलू हिसा से संरक्षण धिनियम 2005 की भूमिका

5.1 प्रस्तावना 81–105

5.2 घरेलू हिंसा का अर्थ

5.3 भारत में घरेलू हिंसा

5.4 घरेलू हिंसा के कारण

5.5 घरेलू हिंसा के प्रकार

5.6 घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005

5.7 घरेलू हिंसा के प्रभाव

अध्याय–6 महिलाओं में घरेलू हिंसा से संरक्षण के निष्कर्ष एवं सुझाव 106–112

6.1 निष्कर्ष

6.2 महिलाओं मे घरेलू हिसा से संरक्षण के लिऐ सुझाव

# "भारत में सूचना का अधिकार : सुशासन के विशेष संदर्भ में विधिक अध्ययन"

A DISSERTATION

Submitted in Partial Fulfillment of The Requirement

FOR THE AWARD OF TWO YEARS DEGREE OF

MASTER OF LAWS

IN

DEPARTMENT OF LAW


Under Supervision of :

Mr. Brajesh Kumar
Assistant Professor
Department of Law
Govt.R.G.P.G. College

Submitted By:

Binita Kachhap
LL.M. 4th semester
Roll No.2902292
Enro. No.-SUP19R0453


Session 2020-2021

DEPARTMENT OF LAW

R.G.P.G.Govt College Ambikapur

Affliated By:- SANT GAHIRA GURU VISHWAVIDYALYA, AMBIKAPUR (C.G
Pin.code -497001

Valued
7/2/2022

## प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि लघुशोध प्रतिवेदन जिसका विषय **"भारत में सूचना का अधिकार : सुशासन के विशेष संदर्भ में विविध अध्ययन"** छात्र का एक मौलिक कार्य है और राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर के विधि विभाग के एल–एल.एम चतुर्थ सेमेस्टर में प्रस्तुत किया जा रहा है।

दिनाँक

स्थान

बृजेश कुमार
(सहायक प्रध्यापक विधि विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर (छ.ग.)

# विषय सुची

## अध्याय –1

## सुचना का अधिकार अधिनियम 2005

(1)प्रस्तावना 1–3

(2) सुचना का अधिकार कानून की आवश्कता

(3) सुचना के अधिकार के अन्तर्गत की व्यवस्थाएँ

(4) उपयोगिता एवं लाभ

## अध्याय –2

## सुचना का अधिकार अर्थ, ऐतिहासिक विकास एवं प्रावधान

(1) सूचना के अधिकार का अर्थ 4–13

(2) भारत मे सूचना के अधिकार का इतिहास

(3) अधिनियम के मुख्य प्रावधान

(4) कानून का वैश्विक अध्ययन

(5) सूचना के अधिकार अधिनियम के उद्देश्य

(6) सूचना के अधिकार की उपलब्धियाँ

(7) सूचना अधिनियम के हालिया संशोधन

(8) क्यों महत्वपूर्ण है सूचना का अधिकार

## अध्याय – 3

## सुशासन का अर्थ अवधारणा एवं विकास के संबंध

(1) सुशासन का अर्थ 14–32

(2) सुशासन के प्रमुख तत्व

(3) सुशासन की अवधारणा

(4) शासन और सुशासन

(5) सुशासन का महत्व

(6) सुशासन विशेषताऐं

(7) भारत में सुशासन के लिये पहल

(8) सुशासन की राह में चुनौतियां

(9) प्रशासनिक प्रणाली का केंन्द्रीकरण

## अध्याय – 4

## सूचना का अधिकार का राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संविधित स्थिति

(1)सुचना के अधिकार का राष्ट्रीय संविधिक स्थिति 33–50

(2)सूचना के अधिकार का अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संविधिक स्थिति।

(3)पहुच का अधिकार : अंतर्राष्ट्रीय मानक

(4). संयुक्त राष्ट्र

(5)क्षेत्रीय मानक

(6)अमेरिकी राज्यों का संगठन

(7)एफओआई व्यवस्था की विशेषतांऐ

(8)सिध्दांत 1 अधिनियम प्रकटीकरण

(9)सिदांत 2 प्रकाशित करने की बाहयता

(10)सिध्दांतं 3 खुली सरकार को बढावा देना

(11)सिध्दांत 4 अपवादों का सीमित दायरा

(12)सिध्दांत 5 पहुंच की सुविधा के लिये प्रक्रियाऐं

(13)सिध्दांत 6 लागत

(14)सिध्दांत 7 खुली बैठक

(15)सिध्दांत 8 प्रकटीकरण को प्राथमिकता दी जाती है।

(16)सिध्दांत 9 संचेतक के लिए सुरक्षा

## अध्याय –5

## सूचना का अधिकार एवं सुशासन एक दृष्टिं

(1)संदर्भ 51–65

(2) भाग – 1 अधिकारिक गुप्तता अधिनियम व अन्य कानून

(3) साक्ष्य मे राजकीय विशेषाधिकार

(4) छुट प्राप्त संगठन

(5) केंन्द्रीय सिविल सेवा (आचरण) नियम

(6) भाग – 2 सूचना का अधिकार अधिनियम का कार्यान्वयन

(7) 1. संस्थानो का निर्माण

(8) 2. सूचना और अभिलेख पालन

(9) 3. निर्माण और जागरूकता सृजन

(10) 4. क्षमता निगरानी पध्दतियों का सृजन

(11) सुचना का आयोजन और अभिलेख पालने के संबंध मे सिफारिशें

(12) क्षमता निर्माण और जागरूकता सृजन के संबंध में सिफारिशें

(13) अधीनस्य क्षेत्र कार्यालय और सार्वजनिक प्राधिकरण

## अध्याय –6

## सूचना का अधिकार,एवं सुशासन एवं न्यायपालिका की न्यायिक दृष्टिकोण

(1)परिचय 66–82

(2)भारतीय न्यायपालिका प्रणाली

(3)न्यायपालिक की स्वतंत्रता

(4)सूचना का अधिकार

(5)वाक् और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की न्यायिक व्याख्या

(6)ऐतिहासिक मामले

(7)समाज और आरटीआई के साथ लोकतंत्र को संतुलिक करना

(8)आरटीआई पर सुप्रीम कोर्ट

(9)उच्च न्यायपालिका आरटीआई के आलोक मे सुशासन न्यायिक दृष्किोण

(10)सुशासन

(11)एक अच्छी सरकार की विशेषताऐं और सरकारी कार्यों की निगरानी के लिये न्यायपालिका द्वारा शक्तियों का प्रयोग

(12)न्यायिक समीक्षा तीन पहुलुओं के काम करती है

(13)1. विधारी कार्यवाही के खिलाफ न्यायिक समीक्षा

(14).2 न्यायिक कार्यवाही के खिलाफ न्यायिक समीक्षा

(15)3. प्रशासनिक कार्रवाही के खिलाफ न्यायिक समीक्षा

(16)आपातकाल की राष्ट्रपति की उध्दोषणा की न्यायिक समीक्षा

**अध्याय –7**

(1)निष्कर्ष एवं सुझााव 83–87

# भारत में जनसंख्या नियंत्रण में राज्य की भूमिका : एक विधिक विश्लेषण

सत्र : 2020-21

**लघु शोध प्रबंध**

मास्टर ऑफ लॉ (एल एल.एम. चतुर्थ सेमेस्टर) की उपाधि हेतु प्रस्तुत


शोध निर्देशक

श्री माधवेन्द्र तिवारी
सहायक प्राध्यापक
विधि विभाग
राजीव गांधी शासकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)

शोधकर्ता

अखिलेश कुमार पाण्डेय
एल एल.एम. चतुर्थ सेमेस्टर
अनुक्रमांक - 2902291
नामांकन क्रमांक - SUP19R0452



अनुसंधान केन्द्र
विधि विभाग
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अम्बिकापुर
जिला सरगुजा (छत्तीसगढ़) 497001
सम्बद्ध : संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छत्तीसगढ़) 497001


Value 7/2/2022

# विधि विभाग, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़)

## प्रमाण–पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **अखिलेश कुमार पाण्डेय,** एल.एल.एम. चतुर्थ सेमेस्टर के छात्र हैं, ने **"भारत में जनसंख्या नियन्त्रण में राज्य की भूमिका : एक विधिक विश्लेषण"** विषय पर लघु–शोध प्रबन्ध मेरे निर्देशन एवं मार्गदशन पर पूर्ण किया है।

यह इनका शोध कार्य मौलिक है। इन्होंने स्वयं लघु शोध प्रबन्ध हेतु सामग्री का संकलन कर इसका विवेचन किया है। मैं इनके उज्जवल भविष्य की कामना करता हूँ।

स्थान : अम्बिकापुर
दिनांक :

निर्देशक

**माधवेन्द्र तिवारी**
विधि विभाग
राजीव गांधी शासकीय
स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा
(छत्तीसगढ़)

# विषय–सूची


| | | | पृष्ठ संख्या |
|---|---|---|---|
| प्रथम अध्याय | : | प्रस्तावना | 1–13 |
| द्वितीय अध्याय | : | ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य | 14–30 |
| तृतीय अध्याय | : | जनसंख्या नियन्त्रण के साधारण उपाय | 31–58 |
| चतुर्थ अध्याय | : | जनसंख्या नियन्त्रण में विधिक उपाय | 59–95 |
| पंचम अध्याय | : | न्यायिक दृष्टिकोण | 96–100 |
| षष्ठ अध्याय | : | निष्कर्ष एवं सुझाव | 101–115 |
| | | सन्दर्भ ग्रन्थ सूची | 116–117 |

# मोटर दुर्घटना अधिनियम 1988 के अंतर्गत दुर्घटना पीड़ित को प्राप्त सहायता : एक विधिक अध्ययन

सत्र 2020-21

लघु शोध प्रबंध

( एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर के अनिवार्य लघुशोध प्रवंध के परीक्षा हेतु प्रस्तुत )


शोध निर्देशक :

श्री माधवेन्द्र तिवारी

(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )

लघुशोध कर्ता :

शम्भुनाथ पटेल

एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर

नामांकन क्रमांक - A-13/482



अध्ययन केन्द्र

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा (छ.ग.)

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर से सम्बद्ध


Valued 7/2/2022

# प्रमाण -पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि शम्भुनाथ पटेल , एल एल. एम. (चतुर्थ सेमेस्टर) द्वारा लिखित प्रस्तुत लघु शोध **"मोटर दुर्घटना अधिनियम 1988 के अंतर्गत दुर्घटना पीड़ित को प्राप्त सहायता : एक विधिक अध्ययन"** 'इनकी कृति है जिसे इन्होने मेरे निर्देशन में सतत अध्ययनरत रहकर संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय से सम्बन्ध राजोव गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की एल एल एम की परीक्षा 2020-21 हेतु अनिवार्य चतुर्थ प्रश्न -पत्र के रूप में प्रस्तुत करने हेतु तैयार किया गया है।

**स्थान-अम्बिकापुर**
**दिनाँक**

**शोध निर्देशक :**
**श्री माधवेन्द्र तिवारी**
**(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )**
**राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर**
**महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.**

# अनुक्रमाणिका


| अध्याय क्र. | विषय सूची | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| **1** | **प्रस्तावना** | **1-11** |
| 1.1 | प्रस्तावना | **2-7** |
| 1.2 | शोध समस्या की पहचान तथा शोध प्रश्न का निर्धारण | **7-8** |
| 1.3 | शोध परिकल्पना | **8** |
| 1.4 | साहित्य का पुनरवलोकन | **9-10** |
| 1.5 | शोध के उदेश्य | **9-10** |
| 1.6 | शोध पद्धति | **10-11** |
| 1.7 | शोध की उपयोगिता | **12** |
| 1.8 | शोध की रुपरेखा | **12-13** |
| **2** | **मोटर दुर्घटना के कारण एवं प्रयास** | **14-34** |
| 2.1 | मोटर दुर्घटना से अभिप्राय | **15-16** |
| 2.2 | संक्षिप्त नाम,विस्तार और प्रारम्भ | **16** |
| 2.3 | मोटर वाहन अधिनियम | **17** |
| 2.4 | मोटर वाहन अधिनियम के उद्देश्य | **17-19** |
| 2.5 | सडक दुर्घटना और भारत | **19-20** |

| | | |
|---|---|---|
| 2.6 | दुर्घटना के कारण | **20-28** |
| 2.7 | दुर्घटना के प्रकार | **28-31** |
| 2.8 | दुर्घटनाओ की रोकथाम | **31** |
| 2.9 | मोटर दुर्घटना होने पर सावधानिया | **31-34** |
| **3** | **मोटर दुर्घटना पर राष्ट्रीय तथा अंतराष्ट्रीय स्तर पर उपलब्ध विधियाँ एवं दण्डात्मक प्रावधान** | **35-57** |
| 3.1 | मोटर दुर्घटना अधिनियम ,1988 | 36-49 |
| 3.2 | भारत में मोटर दुर्घटना | 49-50 |
| 3.3 | भारत में मोटर दुर्घटना स्पष्टीकरण | 51 |
| 3.4 | न्यायलय में पिटीशन दायर करने के लिए आवश्यक दस्तावेज | 52-53 |
| 3.5 | वाहन मालिक के विरुध्द पिटीशन | 54-55 |
| 3.6 | पिटीशन दायर करने की तिथि | 55 |
| 3.7 | लोक अदालत में मोटर दुर्घटना दावों का सुलह द्वारा निस्तारण | 55-56 |
| 3.8 | मोटर वाहन अधिनियम के तहत दण्डात्मक प्रावधान | 56-57 |
| **4** | **भारत में मोटर दुर्घटना के सम्बन्ध में पीड़ित को उपलब्ध सहायता** | **58-72** |
| **5** | **भारत में मोटर दुर्घटना पर न्यायिक दृष्टीकोण** | **73-80** |
| **6** | **निष्कर्ष एवं सुझाव** | **81-83** |
| **7** | **संदर्भ सूची** | **84-87** |

# भारत में श्रमिको का आर्थिक सशक्तिकरण एवं मजदूरी भुगतान की समस्या : एक विधिक अध्ययन

सत्र 2020-21

## लघु शोध प्रबंध

( एल एल. एम .चतुर्थ सेमेस्टर के अनिवार्य लघुशोध प्रबंध के परीक्षा हेतु प्रस्तुत)


शोध निर्देशक :

श्री माधवेन्द्र तिवारी

(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )

लघुशोध कर्ता :

सुरेखा केशरी

एल एल. एम. चतुर्थ सेमेस्टर

रोल न. 2902304

नामांकन क्रमांक - A-10/787



अध्ययन केन्द्र

राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर , सरगुजा (छ.ग.)

संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय अंबिकापुर से सम्बध्द


Valued 7/2/2022

# प्रमाण -पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि सुरेखा केशरी , एल एल. एम. (चतुर्थ सेमेस्टर) द्वारा लिखित प्रस्तुत लघु शोध कार्य **"भारत में श्रमिको का आर्थिक सशक्तिकरण एवं मजदूरी भुगतान की समस्या : एक विधिक अध्ययन "**इनकी कृति है जिसे इन्होने मेरे निर्देशन में सतत अध्ययनरत रहकर संत गहिरा गुरु विश्विद्यालय से सम्बन्ध राजीव गाँधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर की एल एल. एम. की परीक्षा 2020-21 हेतु अनिवार्य चतुर्थ प्रश्न -पत्र के रूप में प्रस्तुत करने हेतु तैयार किया गया है।

**स्थान-अम्बिकापुर**
**दिनाँक**

**शोध निर्देशक. :**
**श्री माधवेन्द्र तिवारी** 21022
**(सहा.प्राध्यापक विधि विभाग )**
**राजीव गाँधी शासकीय स्नातकोत्तर**
**महाविद्यालय अंबिकापुर सरगुजा छ.ग.**

# अनुक्रमाणिका


| अध्याय क्र. | विषय सूची | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| **1** | **प्रस्तावना** | **1-8** |
| 1.1 | विषय परिचय | 2-4 |
| 1.2 | शोध परिकल्पना | 4 |
| 1.3 | साहित्य का पुनरवलोकन | 4-5 |
| 1.4 | शोध पद्धति | 5-6 |
| 1.5 | तथ्य विश्लेषण प्रविधि | 6-7 |
| 1.6 | शोध के उद्देश्य एवं औचित्य | 7 |
| 1.7 | शोध की उपयोगिता | 7 |
| 1.8 | शोध की रुपरेखा | 7-8 |
| **2** | **श्रमिको के संरक्षण सम्बन्धी अवधारणा एवं श्रमिक नियमन व्यवस्था** | **9-40** |
| 2.1 | सामान्य परिचय | 10-11 |
| 2.2 | मजदूरी | 12 |
| 2.3 | मजदूरी के प्रकार | 12-13 |
| 2.4 | भारत में औधोगिक मजदूरी का महत्व | 13-15 |
| 2.5 | औधोगिक विकास के लिए श्रमिक वर्ग का | 15-17 |

| | | |
|---|---|---|
| | विकास | |
| 2.6 | पंचवर्षीय योजनाओ के अंतर्गत मजदूरी नीति | 18-22 |
| 2.7 | श्रम नीति का मूल्यांकन | 22-23 |
| 2.8 | श्रम नीति के दोष | 23-24 |
| 2.9 | मजदूरी की अवधारणाये | 24-25 |
| 2.10 | समयानुसार मजदूरी के दोष | 25-26 |
| 2.11 | कार्यानुसार मजदूरी के दोष | 26-28 |
| 2.12 | मजदूरी निर्दारण के तरीके | 28-30 |
| 2.13 | भारत में पर्याप्त मजदूरी की समस्या | 30-40 |
| **3** | **मजदूरी भुगतान अधिनियम 1936 के अंतर्गत श्रमिको के अधिकार सम्बन्धी प्रावधान** | **41-73** |
| **4** | **न्यूनतम मजदूरी अधिनियम 1948 के अंतर्गत श्रमिको के अधिकार सम्बन्धी प्रावधान** | **74-90** |
| **5** | **मजदूरी भुगतान की समस्या एवं न्यायलय की भूमिका** | **91-99** |
| **6** | **निष्कर्ष एवं सुझाव** | **100-107** |
| **संदर्भ ग्रन्थ सूची** | | **108-110** |

# Freedom of Religion and Religious Conversion- A Legal Study

**A DESSERTATION**

**Submitted in partial fulfillment of the requirement**

**FOR THE AWARD OF TWO YEARS DEGREE OF**

**MASTER OF LAWS**

**IN**

**DEPARTMENT OF LAW**


**Under supervision of :**

DR. MILENDRA SHINGH
Assistant Professor
DEPARTMENT OF LAW
R.G.P.G. COLLEGE AMBIKAPUR

**Submitted By :**

MISS DIKSHA AGRAWAL
LL.M. Scholar
Roll No. - 2902295
Enrollment No.– C-13/691


**Session : 2020 – 2021**

Valued 7/2/2022

**DEPARTMENT OF LAW**

**R.G.P.G. COLLEGE AMBIKAPUR, SARGUJA (C.G.)**

# Certificate

This is to certify that Miss Diksha Agrawal has satisfactorily carried out the investigation and completed the dissertation under my guidance for the work entitled "freedom of religion and religious conversion- A legal study". This work is being submitted for the partial fulfillment of LL.M Final semester, as per the prescribed norms of Sant Gahira Guru Sarguja University, Ambikapur. Such material as has been obtained from other sources and has been duly acknowledged in the dessertation.

**Dissertation Guide**

5/2/22

**Asst. Professor Dr. Milendra Singh**

**Department of Law**

**Rajiv Gandhi Post Graduate College,Ambikapur**

# Content


| S.No. | Particulars | Page No. |
|---|---|---|
| I | Certificate | i |
| II | Declaration | ii |
| III | Acknowledgment | iii |
| IV | Content | iv-vi |
| V | Synopsis | vii-xiv |
| | | |
| 1.0 | 1.1 Introduction. | 2 |
| Freedom of religion and the religious conversion. | 1.2 Defenitions of religion.- Taylor | 2 |
| | Durkheim | 3 |
| | Frazer | 3 |
| | Tillich | 3 |
| | Geertz | 3 |
| | Kosambi | 3 |
| | 1.3 Philosophy of religion | 3 |
| | 1.4 Nature and scope of religion | 4 |
| | 1.5 Theories of religion- Individualist | 5 |
| | Essentialist | 5 |
| | Evolutionary | 6 |
| | Functional | 6-7 |
| | Structuralist | 7-8 |
| | 1.6 World Religion | 8 |
| | 1.7 Religion of India- Hinduism | 8 |
| | Buddhism | 9 |
| | Jainism | 9 |
| | Sikhism | 9-10 |
| | Islam | 10 |
| | Christanity | 10 |
| | Zoroastrianism | 11 |
| | Judaism | 11 |
| | 1.8 Thinkers view on Religion-Karl marx | 11 |
| | Vivekanand ji | 12 |
| | Gandhi ji | 12 |
| | Periyar | 13 |
| | Ambedkar ji | 13-14 |
| | 1.9 Religious Conversion | 14 |
| | 1.10 Mass conversion | 15 |

| | | |
|---|---|---|
| | 1.11 Reconversion | 16 |
| | 1.12 Anti-conversional Law | 16-17 |
| | | |
| 2.0 | 2.1 Introduction. | 18 |
| Freedom of religion under the Indian Constitution | 2.2 Revolt from past on voilation of freedom of religion | 18-19 |
| | 2.3 Secularism and freedom of religion- Secularism | 19 |
| | 2.4 Difference in concept of secularism – Secularism in India | 20 |
| | Secularism in U.S. | 20 |
| | 2.5 Provisions under the Indian Constitution guaranting Freedom of religion. - Article 25 | 20-21 |
| | Article 26 | 22 |
| | Article 27 | 23 |
| | Article 28 | 23-24 |
| | 2.6 Sabrimala Verdict and Freedom of Religion | 24 |
| | 2.7 Sabrimala judgement encroached the Freedom of Religion | 25 |
| | 2.8 Current position of freedom of religion. | 25 |
| | | |
| 3.0 | 3.1 Introduction | 27 |
| Religious Conversion and it's impact. | 3.2 Judgement of Suprem Court | 27 |
| | 3.3 Enactment of Freedom of Religion Act-The Orissa Act | 28 |
| | The M.P. Dharam Swantrata Adhiniyam | 29 |
| | 3.4 Pre Independence Era. | 30 |
| | 3.5 Door to door religious conversion in USA | 30-31 |
| | 3.6 Reasons for Conversion | 31 |
| | 3.7 Libertarian Debate | 31 |
| | 3.8 Communitiarian Debate | 32 |
| | 3.9 Right to propagate any religion | 33 |
| | 3.10 Action against forceful conversion | 34 |
| | 3.11 Laws for those who convert religion for wrongful gain | 34 |
| | 3.12 Anti conversional laws voilative of fundamental rights | 35 |
| | 3.13 Legal procedure for religious conversion in India. | 35 |
| | 3.14 Conversion- To Islam | 36 |
| | To Hindusim | 37 |
| | To Christianity | 37 |
| | 3.15 Impact of Religious Conversion | 37-38 |

| | | |
|---|---|---|
| | 3.16 Major Impacts of Conversion- Nagpur | 39 |
| | Meenakshipuram | 39 |
| | Dulina | 39 |
| | Jamait Ulma | 39-40 |
| | Delhi | 40 |
| | 3.17 Aim of Indian Constitution. | 40-43 |
| | | |
| 4.0 | 4.1 Introduction | 44 |
| Costitutionality and judicial interpretation | 4.2 A fundamental Right | 45 |
| | 4.3 Religious conversion a human right. | 45 |
| | 4.4 Case law Study | 46 |
| | 4.5 Anti- conversional laws | 47-51 |
| | | |
| 5.0 | 5.1 Conclusion | 52-62 |
| Conclusion and Suggestion | 5.2 Suggestion | 63 |
| | | |
| | | |
| | | |
| V | Bibliography | 64-67 |

# "भारत में महिला अधिकार का संरक्षण : उत्तराधिकार कानूनों के विशेष संदर्भ में अध्ययन"

## A DISSERTATION

Submitted in partial fulfillment of the Requirment

FOR THE AWARD OF TWO YEARS DEGREE OF

## MASTER OF LAWS
## IN
## DEPARTMENT OF LAW


**Under Supervision of :**

**Madhyendra tiwari**
Assistant Professor
Department of Law
Govt. P.G. College

**Submitted By :**

**Rangeeta Yadav**
LL.M. 4th Semester
Roll NO.- 2902312
Enroll. NO.-SUP16R1053


**Session – 2020-21**

**DEPARTMENT OF LAW**

Valued 7/12/2022

**R.G.P.G. Govt. College Ambikapur**

**Affiliated By – SANT GAHIRA GURU VISHWAVIDYALYA, AMBIKAPUR SURGUJA C.G. PIN CODE - 497001**

# प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि रंगीता यादव लघु शोध प्रतिवेदन जिसका विषय **"भारत में महिला अधिकार का संरक्षणः उत्तराधिकार कानून के विशेष संदर्भ में अध्ययन "** विशे ा निर्देशन एवं मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। प्रस्तुत शोध – प्रबंध रंगीता यादव राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 को अग्रेषित किया जाता है।

**दिनांक :**

स्थानः अम्बिकापुर

**शोध निर्देशक :**

**श्री माधवेन्द्र तिवारी**
सहा. प्राध्यापक विधि विभाग)
राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय अम्बिकापुर सरगुजा
(छ0ग0)

| स.क्र. | विषय सूची | पृष्ठ सं. |
|---|---|---|
| 1. | **अध्याय – 1**<br>भूमिका<br>• भूमिका<br>• साहित्य का पुनावलोकन<br>• शोध समस्या की पहचान तथा शोध प्रश्न का निर्धारण –<br>• शोध का उददेश्य<br>• परिकल्पना<br>• शोध पद्धति<br>• शोध की कार्यावधि<br>• रूपरेखा | 1–7 |
| 2. | **अध्याय – 2**<br>महिलाओं के उत्तराधिकार के पृष्ठभूमि एवं अवधारणा<br>• उत्तराधिकार की परिभाषा<br>• लोकतांत्रिका सरकार में महिलाओं की भागीदारी (संसद)<br>• भारत में महिलाओं के विरासत<br>• प्राचीन धर्मशास्त्र के अंतर्गत उत्तराधिकार<br>• सुधार लागू होने से कन्या भ्रूण–हत्या में गति आई<br>• लचीले सामाजिक मानदंडों की भूमिका | 8–15 |
| 3. | **अध्याय – 3**<br>भारत में हिन्दू एवं मुस्लिम महिलाओं के अधिकार का विश्लेषण<br>• भारत में हिन्दू एवं मुस्लिम महिलाओं के अधिकार<br>• भारत में मुस्लिम महिलाओं के अधिकार विश्लेषण<br>महिलाओं के कानूनी अधिकार | 16–43 |
| 4. | **अध्याय – 4**<br>भारत में उत्तराधिकार विधिक अधिकार विभिन्न धर्मो में<br>• भारत में उत्तराधिकार का विधिक अधिकार<br>• विभिन्न धर्मो में उत्तराधिकार का विधिक अधिकार<br>1. हिन्दू कानून | 44–55 |

| | | |
|---|---|---|
| | 2. मुस्लिम कानून<br>3. ईसाई कानून | |
| 5. | **अध्याय – 5**<br>भारत में महिला उत्तराधिकार पर न्यायिक दृष्टिकोण<br>• भारतीय हिन्दू महिला अपने संपत्ति को अपने पिता के परिवार को दे सकती है (सुप्रीम कोर्ट का फैसला)<br>• सुप्रीम कोर्ट ने हिन्दू उत्तराधिकार कानून की धारा 15.1 डी की व्याख्या की<br>• संशोधन | 56–66 |
| 6. | **अध्याय – 6**<br>निष्कर्ष एवं सुझाव | 67–70 |
| | **संदर्भ ग्रंथ सूची** | 71–73 |

# EUTHANASIA IN INDIA: A SOCIO LEGAL STUDY

**A DISSERTATION**

**Submitted in Partial Fulfillment of the Requirement**
**FOR THE AWARD OF TWO YEARS DEGREE OF**

**MASTER OF LAW**

**IN**

**DEPARTMENT OF LAW**


**Under Supervision of:**
**MR. BRAJESH KUMAR**
**Assistant Professor**
**Department of Law**
**R.G.P.G. College Ambikapur**

**Submitted By:**
**VISHAKHA SINHA**
**LL.M. 4th Semester**
**Roll No. 2902307**
**Enrollment No. C-13/120**


**Session 2020-2021**

**DEPARTMENT OF LAW**

**Rajiv Gandhi Govt. Post Graduate College Ambikapur**

**Affiliated By: - SANT GAHIRA GURU VISHWAVIDYALAYA**

**AMBIKAPUR (C.G.), 497001**

Valued
7/12/2022

# CERTIFICATE

This is to certify that Vishakha Sinha, student of LL.M. 4th Semester, Department of Law, Session 2020-2021 from Rajiv Gandhi Govt. Post Graduate College, Ambikapur Dist Surguja, Chhattisgarh, was working under my supervision and guidance for her Dissertation Work. Her Dissertation Work entitled **"EUTHANASIA IN INDIA: A SOCIO-LEGAL STUDY"** which she is submitting, is genuine and original work.

**Place: Ambikapur**

**Date:**

**Signature**

**Name: Mr. Brajesh Kumar**

**Supervisor**

**Department of Law**

# TABLE OF CONTENTS


| PARTICULARS | PAGE NO. |
|---|---|
| DECLARATION | I |
| CERTIFICATE | II |
| ACKNOWLEDMENT | III |
| LIST OF CASES | IV-V |

**CHAPTER – I**

**INTRODUCTION**

1.1 Introduction.....1-3

1.2 A Brief Review of the Study.....3-5

1.3 Objective of the Study.....5-6

1.4 Significance of the Study.....6-7

1.5 Research Hypothesis .....7-8

1.6 Problems of the Study .....8-10

1.7 Research Methodology.....10

1.8 Chapterization.....11

**CHAPTER – II**

**EUTHANASIA: HISTORICAL BACKGROUND**

2.1 Historical Background of Euthanasia.....12

2.1.1 Euthanasia in Ancient Greece and Rome.....13

2.1.2 Euthanasia in the 17th Century.....13-14

2.1.3 Euthanasia in the 18th Century.....14

2.1.4 Euthanasia in the 19th Century.....14

2.1.5 Euthanasia during Nazi Era.....14-15
2.2 Background of Euthanasia in Different Religion.....16
2.2.1 The Hindu View.....16
2.2.2 The Buddhist View.....17
2.2.3 The Christian View.....17-18
2.2.4 The Muslim View.....18-19
2.2.5 The Sikh View.....19
2.3 Conclusion of the Chapter.....20

**CHAPTER – III**

**EUTHANASIA: MEANING AND CONCEPT**

3.1 Meaning of Euthanasia.....21-23
3.2 Concept of Euthanasia.....23-25
3.3 Definitions of Euthanasia.....25-26
3.4 Euthanasia Arises on Three Occassions.....26-27
3.5 Reasons for Euthanasia.....27-28
3.6 Types of Euthanasia.....29
3.6.1 Active Euthanasia.....29
3.6.2 Passive Euthanasia.....29-31
3.6.3 Voluntary Euthanasia.....31-32
3.6.4 Non-Voluntary Euthanasia.....32
3.6.5 Involuntary Euthanasia.....32-34
3.7 Various Perspective of Euthanasia.....35-38
3.8 Various Disciplines Considering End-of-Issues.....38-43
3.9 Related Concepts.....43

3.9.1 Euthanasia and Murder.....43-44

3.9.2 Euthanasia and Suicide.....44-47

3.10 Conclusion of the Chapter.....47

**CHAPTER – IV**

**POSITION OF EUTHANASIA IN NATIONAL AND INTERNATIONAL LEVEL FROM LEGAL AND SOCIAL PERSPECTIVE**

4.1 Position of Euthanasia at National Level.....48-52

4.2 Position of Euthanasia at International Level.....53

4.2.1 Netherlands.....53-55

4.2.2 Belgium.....55-57

4.2.3 England.....57-59

4.2.4 United State of America.....59-60

4.2.5 Canada.....60-61

4.2.6 Australia.....61-62

4.2.7 France.....62

4.2.8 Switzerland.....63

4.2.9 New Zealand.....63-64

4.2.10 Russia.....65

4.2.11 Spain.....65

4.2.12 Columbia.....65

4.3 Human Rights and Euthanasia.....66-68

4.4 Morality and Euthanasia.....68-70

4.5 Social Perspective of Euthanasia in India.....70-73

4.6 Conclusion of the Chapter.....74

## CHAPTER – V

## JUDICIAL VIEW OF EUTHANASIA

5.1 Constitutional Perspective of Euthanasia.....75-76

5.2 Right to Life.....76-81

5.3 Right to Die.....81-84

5.4 Aruna Ramchandra Shanbaug *vs.* Union of India: Case Analysis.....85-87

5.5 Right to Life with Human Dignity.....87-88

5.6 Law Commission Report on Euthanasia.....88-92

5.7 Summary and Outcome.....92-94

## CHAPTER – VI

## CONCLUSION AND SUGGESTIONS

6.1 Some Arguments for Legalizing Euthanasia.....97-101

6.2 Arguments against the Legalisation of Euthanasia.....102-104

6.3 Critically Evaluation of the Medical Treatment of Terminally.....104-108
Ill Patients (Protection of Patients and Medical Practitioners)
Bill, 2012

6.4 Conclusion.....108-109

6.5 Suggestions.....109-113

BIBLIOGRAPHY.....114-118

# ECONOMIC EMPOWERMENT OF WOMEN IN INDIA

# - A LEGAL STUDY

**DISSERTATION**
**SUBMITTED IN PARTIAL FULFILMENT OF THE REQUIREMENTS FOR THE DEGREE OF**

**Master of Laws**

**Session 2020-2021**


**Under Supervision OF**

**MR.MADHVENDRA TIWARI**
Assistant Professor
Department of Law
R.G.P.G College Ambikapur

**SUBMITTED BY :**

**MAMTA SHRIVASTAVA**
L.L.M IV Semester
Roll No. 2902297
Enrollment No.C-13/329

**Department of Law**

**Rajeev Gandhi Gov. Post Graduate College Ambikapur(c.g)**

**Affiliated By:-SANT GAHIRA GURRU UNIVERSITY**

**`AMBIKAPUR , Dist:-Sarguja (C.G)**

## CERTIFICATE OF THE GUIDE

CERTIFIED that the work incorporated in the thesis titled **"ECONOMIC EMPOWERMENT OF WOMEN IN INDIA-A LEGAL STUDY"**submitted by MamtaShrivastava was carried out by the candidate under my supervision guidance. Such material has been obtained from other sources has been duly acknowledged in the thesis.

**Place: Ambikapur (c.g)** **MADHVENDRA TIWARI**

**Date:** **Research Guide**

5/12/2022

# TABLE OF CONTENTS


| CHAPTER NO | PARTICULARS | PAGE NO |
|---|---|---|
| 1. | Introduction | 6-11 |
| | | |
| 2. | Meaning, concept and historic background of economic empowerment | 12-23 |
| | 2.1 Philosopher's Views | 15-16 |
| | 2.2 Women's Movements | 16 |
| | 2.3 What's w-day? | 16-18 |
| | 2.4 Position of Women | 19 |
| | 2.4.1 In vedic period | 19-20 |
| | 2.4.2 In post-vedic period | 20-21 |
| | 2.4.3 Women in medieval period | 21 |
| | 2.4.4 In contemporary India | 21-23 |
| | | |
| 3. | Economic Empowerment National and International law | |
| | 3.0 Introduction | 29 |
| | 3.1 United Nation Organization | 29 |
| | 3.1.1 Time of First Phase | 29 |
| | 3.1.2 In the Second Phase | 30 |
| | 3.1.3 During the Third Phase | 30 |
| | 3.1.4 In the existing fourth phase | 30 |
| | 3.2 List of United Nation Conventions | 30-32 |
| | 3.3 International Covenants on Women | 32 |
| | 3.3.1 Universal Declaration on Human Rights | 33-35 |
| | 3.3.2 The Convention on the Political Rights of Women, 1953 | 35-36 |
| | 3.3.3 Convention on the Nationality of Married Women, 1957 | 36-37 |
| | 3.3.4 The International Covenant on Civil and Political Rights, 1966 | 37 |
| | 3.3.5 International Covenant on Economic,social and cultural rights,1966 | 37 |
| | 3.3.6 Declaration on Elimination of Discrimination against women,1967 | 37-39 |
| | 3.3.7 Convention on the elimination of all forms of discrimination against women | 39-40 |
| | 3.3.7.1 Commitment of state parties | 40-45 |
| | 3.4 Commission on the Status of Women | 45-46 |
| | 3.4.1 State Parties were to submit the secratory | 46 |
| | 3.4.2 Elimination of all forms of discrimination against women | 46 |
| | 3.5 Commission of the status of women | 46 |
| | 3.5.1 Vienna conference | 47 |
| | 3.5.2 Beijing conference | 48-55 |
| | 3.6 International law and international instrument relating the women working | 55-56 |
| | 3.7 Constitutional Provisions preamble | 57 |
| | 3.8 Preamble | 58 |
| | 3.8.1 Political rights | 58 |
| | 3.8.2 Economic Rights | 59 |

| | | |
|---|---|---|
| | 3.8.3 Social justice | 59 |
| | 3.9 Fundamental rights | 59-60 |
| | 3.9.1 Article 14 | 60 |
| | 3.9.2 Article 15 | 60 |
| | 3.9.3 Article 16 | 60-64 |
| | 3.9.4 Gender equality becomes illusive in absence right to leave with dignity | 64 |
| | 3.9.5 Article 23 | 64 |
| | 3.10 Directive principles of state policy | 65 |
| | 3.10.1 Article 39 | 65 |
| | 3.10.2 Article 39A | 65 |
| | 3.10.3 Uniform civil code article 40 | 66 |
| | 3.10.4 Fundamental duties parts | 66 |
| | 3.10.5 Article 243 D | 66-68 |
| | 3.10.6 Article 243 T | 68 |
| | 3.10.7 Article 243 G | 69 |
| 4. | 4.0 Legislative Provision | 71 |
| | 4.1 Legislative Enactments | 71-72 |
| | 4.2 Act 1952 The equal remuneration act 1976 | 72-73 |
| | 4.3 The Employees state insurance act 1948 | 73 |
| | 4.4 The Dowry Prohibition act | 74 |
| | 4.5 "The suppression of immoral traffic act 1956" | 74 |
| | 4.6 Prostitution | 74 |
| | 4.7 The Sati prevention act, 1987 | 75 |
| | 4.8 PRE-Natal Diagnostic (Prevention) act, 1994 | 75-76 |
| | 4.9 Tax Benefits | 76-77 |
| | 4.10 Protection of women from sexual harassment at work place | 77 |
| | 4.11 Succession and maintenance | 77-78 |
| | 4.12 Criminal Procedure code | 78-79 |
| | 4.13 The law commission in its 84$^{th}$ reports | 79-80 |
| | 4.14 The hindu women's rights to property act 1937 | 80-81 |
| | 4.15 Hindu succession act , 1956 | 81-82 |
| | 4.16 The Hindu succession (Amendment) | 82-84 |
| | 4.17 Equal Remuneration act, 1976 | 84-86 |
| | 4.18 Maternity benefit act, 1961 | 86-90 |
| | 4.19 The Employees State Insurance act 1948 | 90-96 |
| | 4.20 Mines Act | 97 |
| | 4.21 The beedi and cigar workers (condition of employment) act, 1966 | 97-98 |
| | 4.22 National commission for women | 99 |
| | 4.23 A brief history | 99 |
| | 4.24 Constitution of the commission | 100-101 |
| | 4.25 Legal Amendments proposed | 101-103 |
| | 4.26 Complaints and counseling cell | 103-104 |
| | 4.27 The national plan of action for girl child (1991-2000) | 104 |
| | 4.28 Central government | 105-106 |
| | 4.28.1 Women-specific legislation | 107-115 |
| | 4.28.2 Legislations | 116 |

| | | |
|---|---|---|
| | 4.29 National policy for the empowerment of women (2001) | 116 |
| | 4.30 Impact of globalization on the right of women workers | 116 |
| | 4.31 Denial of basic human rights to women as a result of globalization | 116-119 |
| | 4.32 Impact of globalization on women workers in India | 119-120 |
| | 4.33 Human Rights of women workers need special attention | 120-121 |
| | 4.34 International law and international instrument relating the women workers | 121-124 |
| 5 | Conclusion and uggesstion | 125-132 |